



दशहरा की शुभकामनाएँ!!

ऐतिहासिक निर्णय

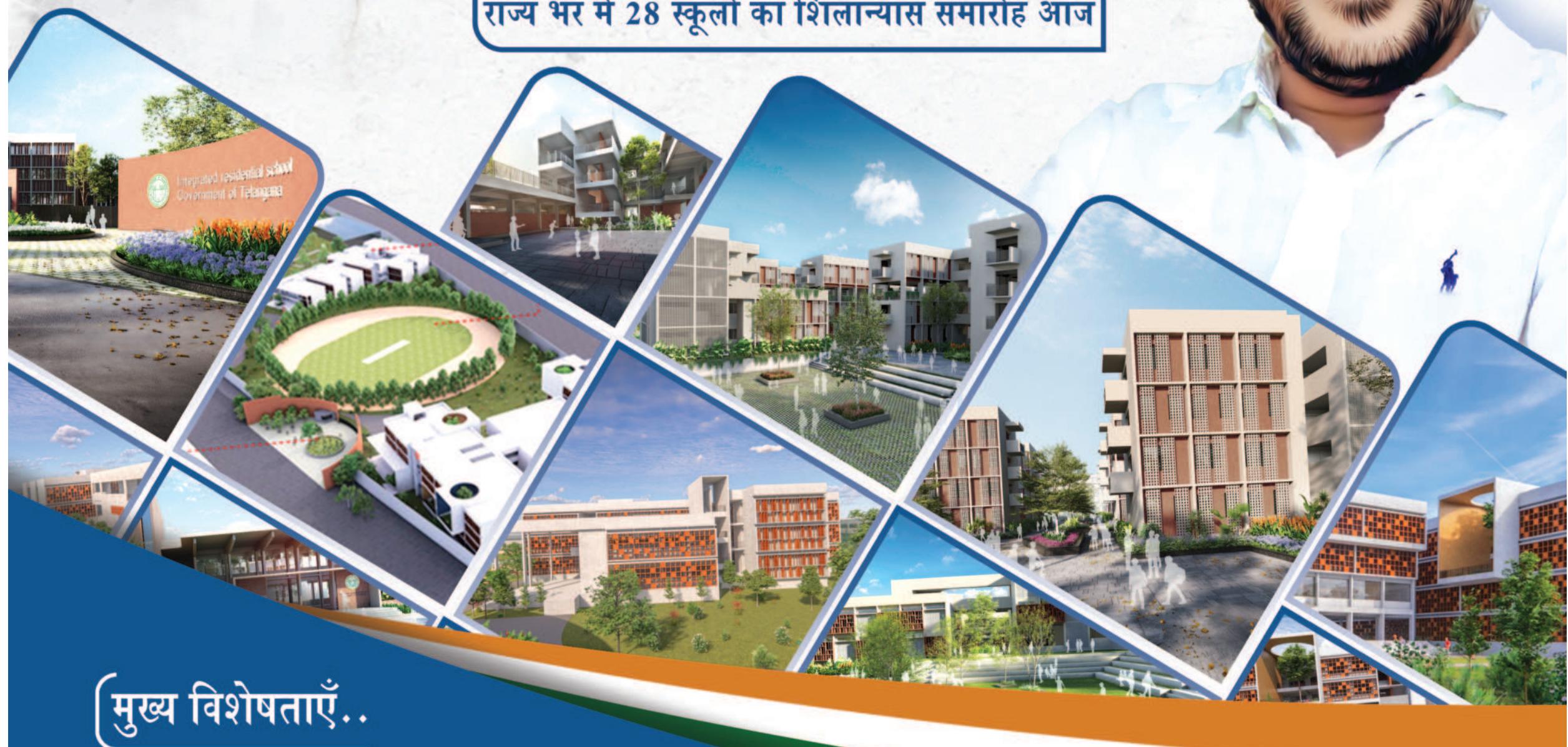
प्रजा प्रभुत्वम द्वारा

प्रत्येक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में
यंग इंडिया एकीकृत आवासीय विद्यालय

11 अक्टूबर, 2024 को

शिलान्यास समारोह
कोन्दुर्ग, शादनगर निर्वाचन क्षेत्र में
तेलंगाना के माननीय मुख्यमंत्री
श्री ए. रेवंत रेड्डी जी द्वारा

राज्य भर में 28 स्कूलों का शिलान्यास समारोह आज



मुख्य विशेषताएँ..



चौथी से 12वीं कक्षा तक
अंतरराष्ट्रीय मानक शिक्षा



25 एकड़ में अति आधुनिक,
सुसज्जित स्कूल परिसर



डिजिटल लाइब्रेरी,
स्मार्ट बोर्ड्स और कंप्यूटर लैब्स



जाति, धर्म और वर्ग की
सीमाओं से परे स्कूल



समर्पित क्रिकेट, फुटबॉल मैदान और
बास्केटबॉल, टेनिस कोर्ट्स

मना प्रजा प्रभुत्वमः सभी के लिए प्रगति और कल्याण का मार्ग

श्रीनगर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में नई सरकार के गठन के लिए गुरुवार को विधायक दल की बैठक हुई। मीटिंग में नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपायक्षम उमर अब्दुल्ला को विधायक दल का नेता चुना गया। उमर जम्मू-कश्मीर के नए सीएम होंगे।

झंडिया गढ़वधन का 3 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल शुरूवात को एलजी मनोज सिन्हा से मूलाकात करेगा और सरकार गठन का दावा पेश करेगा। शायद ग्रहण समारोह 13 या 14 अक्टूबर को होने की उम्मीद है। राज्य सरकार में कोई डिटी सीएम नहीं होगा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर चुनाव लड़ी कांग्रेस को दियी स्पीकर का पद मिल सकता है। कांग्रेस की ओर से दूर्ल सीट से विधायक सीएम या प्रदेश अध्यक्ष और सेट्रल शास्ट्रेंग के विधायक तारिक हामिद कर्मा में किसी एक को कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिल सकता है। जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटने के बाद हुए विधानसभा चुनाव में इंडिया गठनकार ने 49 सीटों पर जीत दर्ज की। गढ़वधन में शायद नेशनल कॉन्फ्रेंस को सबसे ज्यादा 42, कांग्रेस को 6 और सीपीआई(एम) को एक सीट मिली। बहुमत का आंकड़ा 46 है। इस बीच गुरुवार को जम्मू रीजन से चुनाव जीते 4 निर्दलीय विधायकों ने भी नेशनल कॉन्फ्रेंस जॉइन कर ली है।



भाजपा ने 29 सीटें जीतीं, पीडीपी का सिर्फ 3 सीटें मिलीं

8 अक्टूबर को आए जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव रिजल में भाजपा ने 29 सीटें जीती। पार्टी को पिछले चुनाव के मुकाबले 4 सीटों का फायदा हुआ है। हालांकि जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना नोशेरा सीट से एनसी कोडेंटर से करीब 8 हजार वोटों से हार गए। उन्होंने पार्टी हाईकमान को अपना इस्तीफा भेजा है।

दिल्ली में कार शोरूम में गोलीबारी के बाद धमकी देने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने नारायण में लाजरी कार शोरूम का धमकी भरा पत्र भेजने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह घटना उसी ज्यादा पर हुई गोलीबारी के बाद हुई है, जिसे कथित तौर पर विदेश में बैठे एक गैसस्टर ने अंजाम दिया था। कथित तौर पर एक संदिध करण द्वारा यह कार्यपाली को कमाने कराया गया। राजेश ने कहा कि यह प्रस्ताव देश की संघीय प्रणाली को कमाने कराया गया। यह प्रतेर के संसदीय लोकतंत्र की विविधताओं पर क्रूरति को नुकसान पहचाना। उन्होंने कहा कि इससे देश में विभिन्न राज्य विधानसभाओं और स्थानीय स्वास्थ्य निकायों के कार्यालाल में भी कठोरी का विवरण हो गया। यह प्रतेर के संसदीय लोकतंत्र की विविधताओं पर क्रूरति को नुकसान पहचाना। उन्होंने कहा कि यह नियंत्रण जनेदेश के उल्लंघन समतुल्य, उनके लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए एक चुनौती, चुनाव कराने की गज्ज की शक्ति को हड्डपने और देश की संघीय व्यवस्था पर कानूनी जैवने के लिए एक चुनौती दी कि समिति लोकान्न, राज्य विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनावों को एक स्वर्चक्षण के रूप में देख रही है, लेकिन ऐसा करना अलोकतांत्रिक है।

देश की संघीय व्यवस्था पर कानून जैवना जैवा राजेश ने कहा कि यह नियंत्रण जनेदेश के उल्लंघन समतुल्य, उनके लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए एक चुनौती, चुनाव कराने की गज्ज की शक्ति को हड्डपने और देश की संघीय व्यवस्था पर कानूनी जैवने के लिए एक चुनौती दी कि समिति लोकान्न, राज्य विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनावों को एक स्वर्चक्षण के रूप में देख रही है, लेकिन ऐसा करना अलोकतांत्रिक है।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोली-बारंद जला

इंफाल, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार सुबह हावड़ा स्थित रामकृष्ण मिशन के मुख्यालय बेलूर मठ का दौरा किया। इस महत्वपूर्ण यात्रा में उनके साथ राज्य भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, और पश्चिम विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु यात्रा महाप्रमाणी के दिन हुई, जिससे एक अधिकारी भी मौजूद थे। नड्डा की यह यात्रा दौरे का सांकेतिक महत्व और भी बढ़ गया। इस दिन भर चलाई वाले दौरे की शुरुआत सुबह 11 बजे के असापाहु हुई। इसके बाद, नड्डा ने कोलकाता के सेट्रल इलाके में स्थित संतोष मिशन स्कूलर के द्वारा पूजा पंडाल का दोशा करने की योजना है। इसके साथ ही नड्डा एक बैठक में भी शामिल होने वाले हैं, जहां कई प्रतिष्ठित हस्तियों के प्रधानमंत्री नेतृत्व पर कार्यक्रम के लिए एकत्रित होना है। यह बैठक केंद्र सरकार द्वारा बंगाली भाषा को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता देने के फैसले के सम्मान में आयोजित की गई है।

जेपी नड्डा का कोलकाता में सांस्कृतिक दौरा, बेलूर मठ में की पूजा

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोली-बारंद जला

इंफाल, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार सुबह हावड़ा स्थित रामकृष्ण मिशन के मुख्यालय बेलूर मठ का दौरा किया। इस महत्वपूर्ण यात्रा में उनके साथ राज्य भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, और पश्चिम विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु

यात्रा महाप्रमाणी के दिन हुई, जिससे एक

अधिकारी भी मौजूद थे। नड्डा की यह यात्रा दौरे का सांकेतिक महत्व और भी बढ़ गया। इस दिन भर चलाई वाले दौरे की शुरुआत सुबह 11 बजे के असापाहु हुई। इसके बाद, नड्डा ने कोलकाता के सेट्रल इलाके में स्थित संतोष मिशन स्कूलर के द्वारा पूजा पंडाल का दोशा करने की योजना है। इसके बाद, नड्डा ने कोलकाता के सेट्रल इलाके में भी शामिल होने वाले हैं, जहां कई प्रतिष्ठित हस्तियों के प्रधानमंत्री नेतृत्व पर कार्यक्रम के लिए एकत्रित होना है। यह बैठक केंद्र सरकार द्वारा बंगाली भाषा को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता देने के फैसले के सम्मान में आयोजित की गई है।

मुंबई, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पर शोक जताते हुए, उन्होंने देश का

अधियायन बताया है। यात्रा के निधन पर महाराष्ट्र में एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंबई के एक दिन के शोक की घोषणा की गई है।

मुंब

यूं ही कोई रतन टाटा नहीं हो जाता

नाम घोषित होने तक टाटा ने चेयरमैन के रूप में अपना पद वापस लिया। टाटा को बचपन से ही कम बातें बताते पसंद थी। वे केवल औपचारिक और जरूरी बात ही करते थे। उन्हें सक्सेस स्टोरीज पदनाम पसंद था। वे 60-70 के दशक के गाने सुनना पसंद करते थे। टाटा कारों से बहुत लगाव था। खासतौर पर उनकी स्टाइलिंग और उनके मैकेनिज्म के प्रति गहरा रुझान था। रतन टाटा के सबसे करीबी माना जाने वाले 30 साल के शांतनु नायडू टाटा ग्रुप के जनरल मैनेजर हैं। उन्होंने बताया कि मैं टाटा के साथ डिनर करने गया था। वे खुद का चलाकर मुझे मुंबई के 'थाई पवेलियन' ले गए थे। डिनर के दौरान मैं टाटा से कहा, जब मैं ग्रेजुएट हो जाऊंगा, तो क्या आप मेरे दीक्षांत समारोह में आएंगे? इस पर टाटा ने कहा कि मैं पूरी कोशिश करूँगा और वे आए थी। रतन टाटा, ग्रुप की परोपकारी शाखा, टाटा ट्रस्ट में गहरा से शामिल थे। टाटा ग्रुप की यह आर्म शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और ग्रामीण विकास जैसे सेक्टर्स में काम करती है। अपने पूरे करियर में रतन टाटा ने यह तय किया कि टाटा संस के डिविडेंड का 60-65% चैरिटेबल कॉज के लिए इस्तेमाल हो। रतन टाटा ने कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए 500 करोड़ रुपए का दान दिया था। रतन टाटा ने एक एजीक्यूटिव सेंटर को स्थापना के लिए हार्वर्ड बिजेनेस स्कूल को 50 मिलियन डॉलर का दान दिया था। वे यहीं से पढ़े थे। उनके योगदान ने उन्हें विश्व स्तर पर सम्मान दिलाया। टाटा ग्रुप की स्थापना जमशेदजी टाटा ने 1868 में की थी। यह भारत की सबसे बड़ी मल्टीनेशनल कंपनी है, इसकी 30 कंपनियां दुनिया के 100 से ज्यादा देशों में 10 अलग अलग बिजेनेस में कारोबार करती हैं। अभी एन चंद्रशेखरन इसके चेयरमैन हैं। टाटा संस टाटा कंपनियों की प्रिंसिपल इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स और प्रमोटर है। टाटा संस की 66% इक्विटी शेयर कैपिटल उसके चैरिटेबल ट्रस्ट के पास हैं, जो एजुकेशन, हेल्थ, आर्ट एंड कल्चर और लाइबलीहूड जनरेशन के लिए काम करता है। 2023-24 में टाटा ग्रुप की सभी कंपनियों का टोटल रेवेन्यू 13.86 लाख करोड़ रुपए था। यह 10 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार देती है। इसके प्रोडक्ट्स सुबह राशम तक हमारी जिंदगी में शामिल हैं।

ਵਹ ਖਾਤੀ ਜ਼ਰੂਰ ਹੈ, ਲੇਕਿਨ...

वह बड़ी ईमानदार है ।
चार पैसे जरूर इधर-
उधर कर लेती है, लेकिन
वाकी बार्डों से बहुत
बेहतर है। वैसे भी आज
कौन नहीं खाता। नहीं
खाए तो शक होता है।
सही उम्र में सही काम
नहीं करने से उसके परिणाम
आगे चलकर भुगतने पड़ते हैं।
वह लाख बुरे काम करती होगी
लेकिन अपनी चारदीवारी के
भीतर। मजाल की कान वाले
दीवारें उसका पता लगा लें। मान
लो रसोई के लिए चार कैन तेल
मंगवाया जाता है तो वह बड़ी
ईमानदारी से एक कैन अपने घर
भेजवा देती है। कभी उसने उससे
ज्यादा नहीं लिया इससे ज्यादा
ईमानदारी और क्या चाहिए। आज
के जमाने में ईमानदार बही है जो
लूटने में नियंत्रित रहे। वह हर
काम में ईमानदारी दिखाती है।
हॉस्टल से लूटे रुपयों-सामानों से
शहर में दो-चार कठियाँ उठा लीं
हैं। लेकिन भाड़े पर गरीबों को
दिया है।

डॉ. सुरेश कुमार मिश्र

बईमानों का मुँह ऐसे
धोती है कि सामने बाल
फिर से दर्पण देखने
लायक नहीं रह जाता।
वह दूसरे हॉस्टलों का
जब तक दो-चार
लड़कियों के भागने, दो-चार
चार के गर्भात, दो-चार
की शादी, छुट्टम-छुटाई और मुँह
काला करने पर भी पतिव्रता का
नाटक करने वाली प्रसंगों का
भोजन कर न लें, उसके बाद दांस
खोद न लें, तब तक उसको कहाँ
चैन पड़ता है। भोजन के बाद
कलंक-चर्चा का चूर्ण फॉकना और
तो जरूरी होता है। इससे हाजमर
भी अच्छा होता है। एक दिन
उसने उसने चूर्ण फॉकना शुरू
कर दिया- आपने सुना, अमृत
हॉस्टल की लड़की अमुक छाती
के साथ भाग गयी और दोनों
वरंगल में शादी कर ली। कैसे
बुरा जमाना आ गया। मैं जनत
हूँ कि वह बुरा जमाना आने से
दुखी नहीं, सुखी है, फिर भी मैं
उसकी हाँ में हाँ मिला लेता हूँ
यह दनिया हाँ में हाँ मिलाने वाल

वह दूसरों का बुरा नहीं करती केवल उनकी कलंक-चर्चा सुनकर स्वयं को समाज में घट रहे घटनाक्रमों से अद्यतन करती है। यदि फिर भी समय बच जाता है तो लड़कियों के बचे छुटकर पैसों से तंबाकू खरीदने के लिए पनवाड़ी वाले का इंतजार करती है। इमानदारी का रूप दूसरों की बेईमानी के गन्धे तैलिए से पैछाने पर ही चमकता है। वह हमेशा दूसरों की बेईमानी पुराणगाथा अपनी जुबान पर रखती है। मौका देने के लिए वह अपनी बातों की वाली बहुत बतियाती है। थोड़ा भी न-नुकूर करिए तुरंत आपसे कन्नी काट लेती है जितना बुरा जमाना आयेगा वह उतनी ही सुखी होंगी - तब वे यह महसूस करके और कहकर गत अनुभव करेंगी कि इतने बुंदे जमाने में भी हमीं सबसे अच्छे हैं। वह तो बड़ी चालाक है। वह सामूहिक असफलता में से निजी सफलता का मुद्दा निकाल लेती है और अपनी असफलता को समूह की पराजय बताकर मुक्त होती है।



સાથે દેશભક્ત વ દિગ્ગજ ઉદ્યોગપતિ થે રતન લાટા

ताटा समूह के चेयरमैन और वरिष्ठ उद्योगपति रतन टाटा ने बुधवार रात इस दुनिया को छोड़ कर चले गए। 86 साल की उम्र में देश और दुनिया को अलविदा कहने वाले रतन टाटा को खराब स्वास्थ्य के चलते मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दो दिन पहले ही उन्होंने अपने स्वास्थ्य पर किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने और खुद के स्वस्थ बताया था। पर कुदरत को होनी को कौन टाल सकता है। रतन टाटा का दुनिया से जाना भारत के लिए बड़ी क्षति है। पद्म विभूषण और पद्म भूषण से सम्मानित, उन्होंने टाटा की महान विरासत को आगे बढ़ाया और इसे और अधिक प्रभावशाली वैश्विक उपस्थिति दी। रतनजी टाटा नैतिकता और उद्यमशीलता के अपूर्व और आदर्श संगम थे। लगभग 150 वर्षों की उत्कृष्टता और अखंडता की परंपरा वाले टाटा ग्रुप की कमान सफलतापूर्वक संभालने वाले रतनजी टाटा एक जीवित किवदंती थे। उन्होंने समय-समय पर जिस निर्णय क्षमता और मानसिक दृढ़ता का परिचय दिया, उससे टाटा समूह एक अलग औद्योगिक ऊँचाइयों पर पहुंचा। उनके दुखद निधन से भारत ने एक ऐसे आइकन को खो दिया है, जिन्होंने कॉर्पोरेट विकास को राष्ट्र निर्माण और उत्कृष्टता को नैतिकता के साथ जोड़ा। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री समेत कई दिग्गजों ने उनके निधन पर शोक जाता रहे हैं। रतन टाटा को राजकीय सम्मान के साथ विदाई दी जा रही है। उनके सम्मान में महाराष्ट्र और झारखण्ड सरकार ने राजकीय शोक की घोषणा की है। राजकीय शोक का ऐलान के साथ उस अवधि तक राज्य की विधानसभा, सचिवालयों और महत्वपूर्ण कार्यालयों में लगे तिरंगे को आधा झुका दिया गया है। शोक की घोषणा के बाद राज्य में सभी सरकारी कार्यक्रम तथा सभी समारोह का आयोजन रद्द किया गया है। गैरतलब है कि पहले राजकीय शोक की घोषणा प्रधानमंत्रियों, राज्य के मुख्यमंत्रियों और केंद्रीय मंत्रियों (पूर्व या वर्तमान में पद पर आपीन) के निधन पर ही की जाती थी। अब इस नियम के बदल दिया गया है। अब यह सम्मान उन सभी व्यक्तित्वों को दिया जाता है, जिन्होंने राष्ट्र के नाम को ऊंचा करने के लिए काम किया है। उनके कद और काम को देखते हुए राज्य सरकार यह फैसला लेती है। अब जीवन के सभी क्षेत्रों-राजनीति, विज्ञान, साहित्य, कला, कानून में बड़ा योगदान देने वाले लोगों को यह राजकीय सम्मान दिया जाता है। इस अवसर पर उनके जीवनकाल में हुए सामाजिक व राष्ट्रीय कार्यों के बारे में चर्चा करना भी जरूरी है। वर्ष 1962 में कॉर्नेल विश्वविद्यालय, इथाका, न्यूयॉर्क से वास्तुकला में बी एस। की डिग्री प्राप्त करने के बाद टाटा पारिवारिक फर्म में शामिल हुए थे। एक दशक की निरंतर मेहनत करने के बाद वे टाटा इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष बने। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और 1991 में अपने चाचा जेआरडी टाटा से टाटा समूह की विदाई दी जा रही है। उनके सम्मान में महाराष्ट्र और झारखण्ड सरकार कपड़ा और व्यापारिक फर्म के रूप में शुरुआत हुई थी। समय बीतने के साथ-

टाटा समूह एक वैश्विक महाशक्ति में तब्दील हुआ था। इसका परिचालन नमक से लेकर इस्पात, कार से लेकर सॉफ्टवेयर, बिजली संयंत्र से लेकर एयरलाइन्स तक फैला हुआ था। भारतीय अर्थव्यवस्था के खुलने के साथ ही टाटा समूह, जो 1868 में एक छोटी कपड़ा और व्यापारिक फर्म के रूप में शुरू हुआ था, को एक वैश्विक महाशक्ति में बदल दिया, जिसका परिचालन नमक से लेकर इस्पात, कार से लेकर सॉफ्टवेयर, बिजली संयंत्र से लेकर एयरलाइन्स तक फैला हुआ था।

टाटा के लिए वर्ष 2008 काफी मुश्किल था। दरअसल 2008 में 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों ने सम्मद्र के रास्ते दक्षिण मुंबई में धुसपैठ की और ताज होटल और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस सहित शहर के कई प्रमुख स्थानों पर हमले किए थे। पाकिस्तानी आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) द्वारा किये गए अंधाधुंध हमले में 166 लोगों की जान चली गई और 300 से अधिक लोग घायल हो गए। हमले के दौरान, रत्न टाटा 70 वर्ष के थे। उन्होंने तभी ये दृढ़ संकल्प दिखाया था। उन्हें प्रतिष्ठित ताज होटल के कोलाबा छोर पर खड़े देखा गया और सुरक्षा बलों ने ताज होटल में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान चलाया। हमले में मारे गए 166 लोगों में से 33 लोग टाटा समूह के प्रतिष्ठित ताज होटल पर 60 घंटे तक चले हमले में मारे गए थे। इनमें 11 होटल कर्मचारी भी शामिल हैं। हमले के बाद, रत्न टाटा ने ताज होटल को पुनः खोलने का वचन दिया। उन्होंने हमले में मारे गए या घायल हुए लोगों के परिवारों की देखभाल करने का भी वचन दिया।

बीबीसी के अनुसार, उन्होंने मारे गए

गों के रिशेदारों को उतना वेतन दिया, उतना वे जीवन भर कमा सकते थे। छ ही महीनों के भीतर, टाटा समूह ने यपदाओं के दैरान मानवीय सहायता दान करने के लिए ताज पब्लिक सर्विस लफेयर ट्रस्ट (TPSWT) का गठन किया। डेकन हेराल्ड के अनुसार, रतन टा ने खुद पौडितों के घर जाकर यह निश्चित किया कि उनकी देखभाल की रही है।

वर्ष 2020 में रतन टाटा ने 2008 के बई आतंकवादी हमलों को याद किया। उन्होंने कहा था कि कुछ सालों पहले ए विनाशकारी विनाश को कभी नहीं लाया जा सकेगा। इंस्ट्राग्राम पर एक स्ट में उद्योगपति ने उस दिन सभी तमेदों को भुलाकर एक साथ आने के लिए मुंबई के लोगों की प्रशंसा की। न्होंने लिखा, ₹आज से 12 साल पहले विध्वंस हुआ, उसे कभी नहीं भुलाया। सकेगा। लेकिन उससे भी ज्यादा दगार बात यह है कि मुंबई के विविध लोगों ने एक साथ मिलकर, सभी तमेदों भुलाकर, उस दिन आतंकवाद और विध्वंस को परास्त किया। आज, हम निश्चित रूप से उन लोगों के लिए शोक ना सकते हैं, जिन्हें हमने खो दिया और न बहादुरों के बलिदान का सम्मान कर करते हैं, जिन्होंने दुश्मन पर विजय पाने मदद की, लेकिन हमें जिस चीज़ की राहना करनी चाहिए, वह है एकता और यालुता और संवेदनशीलता के कार्य, जिन्हें हमें संजोना चाहिए और उम्मीद है आने वाले सालों में भी ये चमकते रहेंगे। यही नहीं 26/11 मुंबई हमले के बाद, ताज होटल के पुनर्निर्माण के लिए रतन टाटा ने टेंडर जारी किया, जिसमें किस्तान की कंपनियों ने भी आवेदन किया था। जब रतन टाटा को यह पता

चला, तो उन्होंने उन पाकिस्तानी प्रतिनिधियों से मिलने से साफ मना कर दिया। उनके अनुसार, “मैं अपने देश के खिलाफ किसी भी प्रकार की गद्दारी नहीं कर सकता।” यह उनके देशप्रेम और निष्ठा को दिखाता है।

1998 में, रतन टाटा ने अपनी पहली कार, इंडिका, लॉन्च की। यह उनका ड्रीम प्रोजेक्ट था, लेकिन बाजार में इसे अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिली और कंपनी घाटे में चली गई। इस कारण, रतन टाटा को कंपनी बेचने का विचार आया और वे फोर्ड के पास प्रस्ताव लेकर गए। लेकिन बैठक में फोर्ड के मालिक बिल फोर्ड ने अपमानजनक टिप्पणी करते हुए कहा, “जिस व्यापार की समझ नहीं, उसमें इतना पैसा क्यों लगाया?” यह सुनकर रतन टाटा ने कंपनी बेचने का विचार छोड़ दिया और इंडिका को एक सफल ब्रांड बनाने का संकल्प लिया। 2008 में, जब फोर्ड अर्थिक संकट में था, टाटा ने लैंड रोवर और जगुआर कंपनियों को खरीदा। इस बार बिल फोर्ड ने कहा, “आप हमारी कंपनी खरीदकर हम पर बड़ा एहसान कर रहे हैं।” 1980 के दशक में, एक गैंगस्टर टाटा मोटर्स के कर्मचारियों को धमकाकर हड़ताल करवाना चाहता था। रतन टाटा ने खुद मोर्चा संभाला और प्लाट में कई दिनों तक रहकर कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाया। उनकी कोशिशों के कारण गैंगस्टर पकड़ा गया और काम दोबारा शुरू हो गया। यह घटना उनके कर्मचारियों के प्रति समर्पण और साहस को दर्शाती है।

रतन टाटा का सपना था कि हर भारतीय परिवार के पास एक कार हो, और इसी सोच के साथ उन्होंने टाटा नैनो लॉन्च की। लेकिन यह परियोजना व्यावसायिक रूप से उतनी सफल नहीं हो पाई।

क्यों नहीं थम रहे पाकिस्तान में चीनी नागरिकों पर हमले



आर.के.सिन्हा

तबद्ध है। खबरों के विस्फोट होते ही अबुत बड़े भाग के बना धुआं छा गया। अंदर हशत का माहौल आकिस्तान से आने से संकेत मिल रहे हैं जिनी नागरिक अपनी भरा होने के कारण अड़ने पर विचार कर तानी सरकार बार-यों को पकड़ने का है। चीन भी अपने पुख्ता सुरक्षा को है। हालांकि चीनियों नहीं रहे हैं। चीनी हो रहे हमलों के हरीक-ए-तालिबान (टीटीपी), लंबरेशन आर्मी और स्टेट-खुरासान को ना जाता है। यह एक आतंकी संगठन ग्राकार के खिलाफ उड़े हुए हैं। टीटीपी यह पीछे हाथ धोकर एकियक यह सच है कि वों पर होने वाले बीएलए ने सबसे जिम्मेदारी ली है, मार्च में गवादर गास एक पाकिस्तानी ई अड़े पर हमला किया। बीएलए ने अप्रैल राची विश्वविद्यालय गास संस्थान के पास मले में तीन चीनी एक पाकिस्तानी हत्या कर दी थी। वह आतंकवाद का दुखद तो है, पर नवाद को भरपूर दिया है। क्या यह निया को नहीं पता। गानता कि मौताना उनके संगठन जैश को पाक सेना के

राहुल को किसने हराया

मतदाताओं ने या कांग्रेस ने ?



ପାତା ୧

दर्द सुन रहे थे जो नौकरी-रोजगार की तलाश में बिना कागजातों के अपार तकलीफ़ सहते हुए 'डंकी' रूट से अमेरिका पहुँचे थे। इस दुस्साहसपूर्ण काम में उन्हें कई देशों से गुजरना पड़ा था। राहुल की डलास यात्रा सिर्फ़ एक दिन की थी और कई कार्यक्रम भी थे पर उन्हें जब इन युवाओं के संघर्षपूर्ण जीवन के बारे में पता चला तो अपनी तमाम व्यस्तताओं के बावजूद उनसे मिलने के लिए वक्त निकल लिया। हरियाणा के कोई पूँजीपति खरीद लेगा और उन पर अनाज जमा करने के गोदाम या माल्स बना देगा। राहुल की 'डंकी' को सबने देखा अगर कोई नहीं देख पाया तो वे हरियाणा कंप्रेस के महत्वाकांक्षी बढ़े नेता और नेत्रियां थीं जिनके बेटे-बेटियाँ राजनीति के रोजगार में ही फल-फूल रहे हैं, जिन्हें डंकी रास्तों से विदेश जाने की कभी ज़रूरत ही नहीं पड़ी। राहुल जब अपनी 'डंकी' में खोए हुए थे, ये नेता टिकिटों के बँटवारे और मुख्यमंत्री का पद हथियाने



युवाओं ने राहुल से अपने संघर्ष की कहानियाँ साझा कीं थी और अपने गृह-राज्य में युवाओं की बेरोजगारी की स्थिति से उन्हें अवगत कराया था। इन युवाओं से बातचीत ने राहुल को विचलित कर दिया था। भारत वापस लौटते ही वे साथे साथे यात्रा करते

के लिए कांग्रेस में डंकी रास्ते तलाश कर रहे थे। इनके पास राहुल की 'डंकी' को देखने के लिए वक्त नहीं था।' एजिट पोल्स' के फर्जी आँकड़ों ने इनकी बूढ़ी महत्वाकांक्षाओं में जवानी के चार चार लाग दिए थे। राहुल यात्रा किंवदं जो उत्तम दें

हा व सबस पहल उस एक युवक के परिवार से मिलने सुबह-सुबह उसके घर करनाल पहुंच गए जो सात सितंबर का डिलास म हरियाणा के युवाओं की आँखों में उम्मीदों का काजल रोपने

डलास में उन्हें मिला था। राहुल ने उसके परिवार के साथ काफ़ी समय बिताया और वीडियो कॉल के जरिए अपनी मौजूदगी में उसकी परिवार के लोगों से बात करवाई। राहुल की डलास यात्रा और करनाल में परिवारजनों से हुई बातचीत का तेरह मिनिट का 'डंकी' नाम का वीडियो हरियाणा में काफ़ी चर्चित हुआ। अपनी चुनावी सभाओं में भी राहुल ने युवाओं की बेरोजगारी का ज़िक्र किया और बताया भाजपा सरकार की ग़लत नीतियों के चलते किस तरह युवाओं को अवैध तरीकों से विदेशों का रुख़ करना पड़ रहा है। 'डंकी' का जगह-जगह प्रदर्शन भी हुआ। हरियाणा के मतदाताओं ने 'डंकी' देखी, अपने बेटों के कष्टों को समझा। देश ने भी देखा। दाकें जप्ति सहन वी पहुँचे थे। आठ अक्टूबर को वही काजल पराजय का कालिख बनकर कंग्रेस के चेहरे पर फैल गया। क्या कांग्रेस के नेता ही नहीं चाहते थे कि राहुल के जरिए हरियाणा का भाग्य बदल पाए या फिर हरियाणा के मतदाता नहीं चाहते थे कि 'डंकी' रास्तों से विदेशों में संघर्ष कर रहे उनके बेटे वापस लौटें और नए युवा अपने परिवारों को इस तरह से छोड़कर नहीं जाएँ ? कोई एक बात तो सच होना चाहिये ! जवाब सिफ़र राहुल दे सकते हैं ! मोदी चाहे चौथी बार दिल्ली की सत्ता में नहीं आ पाएँ, यही कांग्रेस बनी रही तो भाजपा हरियाणा में ज़रूर आ जाएगी !



10

निजी विमानन कंपनियाँ और यात्री सुरक्षा

के साथ है। आए हैं कि इन्हीं निजी पड़ा। विमान में उजह से यह होगा, नियंत्रण की एक स मात्र जांजों में नियंत्रण नियंत्रण विमान उसके निर्धारित मार्ग में चलने में सहायता देते हैं। आए हैं कि लैंडिंग के समय भी विमान को सही रखने में सहायता देता है। 'रडर सिस्टम' का इस्तेमाल इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युअल दोनों तरीकों से किया जा सकता है। अधिकतर परिस्थितियों में 'रडर सिस्टम' का इस्तेमाल मिड-एयर या दौरान नहीं किया जाता। मिसाल के यदि आप सड़क पर अपनी गाड़ी को स्पीड से चला रहे हैं और ऐसे में यह अपनी गाड़ी का स्टीरिंग जरा सा भी बाएँ करेंगे तो कितनी गंभीर दुर्घटना होनी है आप इसका अनुमान लगा सकते हैं। यदि 'रडर कंट्रोल सिस्टम' जाम हो सही रख-रखाव न होने के कारण उसकी तकनीकी दिक्कत आ जाए तो विमान गम्भीर ढूँढ़ सकता है।



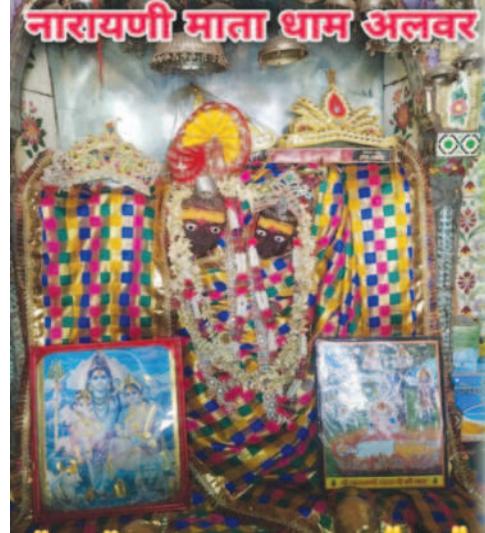
ॐ पूर्णमदः पूर्णमिदं
पूर्णति पूर्णमुदच्यते।

थुक्वार, 11 अक्टूबर - 2024 7



पूर्णस्य पूर्णमादाय
पूर्णमिदावशिष्यते।
स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद

नारायणी माता मंदिर अलवर



नारायणी माता धाम अलवर
सती नारायणी माता मंदिर अलवर से लगभग 80 और अमनगढ़ से 14 किलोमीटर दूर सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान के किनारे पर स्थित अलवर का एक बहु प्रतिष्ठित मंदिर है। जहाँ नारायणी माता भावन शिव की पहली पत्नी सती का अवतार रूप मानी जाती है। नारायणी माता मंदिर का निर्माण सफेद संगमरमर से किया गया है जिसे अच्छी तरह से सजाया और डिजाइन किया गया है। मंदिर की साइड में छोटा सा गम्फ पानी का झरना इसे और अचिक्षित लोकों के लिये बनाता है।

सती नारायणी माता मंदिर भारत में सेन समाज का एकमात्र मंदिर है जिसकी पवित्रता मारुट आबू, पुष्कर और रामदेवरा में मंदिरों के समान मानी जाती है। यह मंदिर सेन समाज के लिए उनकी आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र बना दिया गया है। जहाँ बसते समस्त के दोरान देश के विभिन्न कानों से तीर्थी यात्रियों के भीड़ देखी जाती है। इस मंदिर में बनिया (अग्रवाल) को जाने की अनुमति नहीं है।

1993 से पहले हर साल एक मंदिर स्थल पर स्थानीय लोगों द्वारा एक बड़े मेले का आयोजन किया जाता था, जिसे स्थानीय श्री राजीव गांधी द्वारा प्रतिवर्धित किया गया था। यदि आप अपने सांसारिक जीवन के सभी तत्वों से दूर कुछ समय शांति और आस्था का अनुभव करना चाहते हैं तो आपको अलवर के इस पवित्र मंदिर की यात्रा अवश्य करनी चाहिए।

नारायणी माता मंदिर का इतिहास –

मान्यता है कि सेन समाज की कुलदेवी माता नारायणी



नारायणी माता भी उनके साथ चिता पर बैठ गई। अचानक चिता में आग प्रचलित हो गई, जिसे ग्वालों ने चमत्कार मान नारायणी माता से प्रार्थना की कि- “हे माता! हम आपको देवी रूप मानकर आपसे कुछ मांगना चाहते हैं।” चिता से आवाज आई कि- “जो मांगना चाहता है मांग लो।” ग्वालों ने कहा कि- “हे माता! हमारे इस स्थान पर पानी की कमी है, जिससे हमारे जनवर मर रहे हैं। कृपा कर हम पर दवा करें।” चिता से आवाज आई कि- “तुम में से एक व्यक्ति इस चिता से लकड़ी उठा कर भागों और पैछे मुड़कर मर देखना। जहाँ भी तुम पैछे मुड़कर देखोगे, पानी की धारा वहाँ रुक जायेगी।” एक ग्वाल लकड़ी उठाकर भागा और भागत-भागत वह दो कोस के करीब पहुंच गया। उसके मन में शंका हुई कि कहीं देखूँ पानी आ रहा है या नहीं और जैसे ही उसने पैछे मुड़कर देखा पानी वहाँ रुक गया। आज उसी चिता वाले स्थान पर कुण्ड बना दिया गया है और उस कुण्ड से धार के रूप में पानी दो कोस दूर जाकर पानी समाप्त हो जाता है, जो एक चमत्कार है।

नारायणी माता को मंदिर के दर्शन का समय – नारायणी माता मंदिर प्रतिदिन सुबह 8.00 से रात 8.00 तक तीर्थ यात्रियों के प्रवेश के लिए खुला है औपर इस समय के बीच कभी भी माता के दर्शन के लिए नारायणी माता मंदिर जा सकते हैं।

नारायणी माता धाम कुण्ड

अलवर जिले का यह नारायणी धाम अपने चमत्कारों की वजह जन-जन की आस्था का केंद्र बन चुका है। सैन समाज के साथ-साथ अब यहाँ और भी समाज के दर्शन के दर्शन वर्ष से वह

माता खल्लारी का विवाह संपन्न हुआ था। जिसके बाद यहाँ पर माता खल्लारी का मंदिर बनाया गया। आइए जानते हैं इससे मंदिर से जुड़ी कुछ और खास बातें।

भारत में अनेकों मंदिर और ऐसे शरीरों का नाता रामायण और महाभारत से जुड़े हुआ है। इन्हीं में से एक मंदिर है छतीसगढ़ के महासमुंद जिले में स्थित माता खल्लारी का मंदिर। इस मंदिर को लेकर कहा जाता है कि यहाँ पर महाबली भीम और राक्षसी हिंडिंवा का विवाह संपन्न हुआ था। जिसके बाद यहाँ पर माता खल्लारी का मंदिर बनाया गया। आइए जानते हैं इससे मंदिर से जुड़ी कुछ और खास बातें।

भारत में अनेकों मंदिर और ऐसे शरीरों का नाता रामायण और महाभारत से जुड़े हुआ है। इन्हीं में से एक मंदिर है छतीसगढ़ के महासमुंद जिले में स्थित माता खल्लारी का मंदिर। इस मंदिर को लेकर कहा जाता है कि यहाँ पर महाबली भीम और राक्षसी हिंडिंवा का विवाह संपन्न हुआ था। जिसके बाद यहाँ पर माता खल्लारी का मंदिर बनाया गया। आइए जानते हैं इससे मंदिर से जुड़ी कुछ और खास बातें।

एक हिंडिंव नाम का राक्षस रहता था और उसकी एक हिंडिंवा भी थी। वहीं जब महाबली भीम एक बार इस जगह पर विश्राम करने आए तो हिंडिंवा उन्हें देखकर मोहित हो गई। इसके बाद यहाँ पर माता खल्लारी का मंदिर बनाया गया। इसके बाद यहाँ पर भीम चूल्हा और राक्षसी हिंडिंवा से विवाह किया।

इस घटना के बाद से इस जगह को भीमखोज के नाम से जाना जाने लगा। बता दें कि इस मंदिर के अलावा यहाँ पर भीम चूल्हा से विवाह किया गया। जिसमें राक्षस की मौत हो गई। इसके बाद माता खल्लारी का मंदिर बनाया गया। आइए जानते हैं इससे मंदिर से जुड़ी कुछ और खास बातें।

एक हिंडिंव नाम का राक्षस रहता था और उसकी एक हिंडिंवा भी थी। वहीं जब महाबली भीम एक बार इस जगह पर विश्राम करने आए तो हिंडिंवा उन्हें देखकर मोहित हो गई।

लेकिन तभी हिंडिंव राक्षस और भीम के साथ युद्ध हो गया। जिसमें राक्षस की मौत हो गई। इसके बाद माता खल्लारी का मंदिर बनाया गया। आइए जानते हैं इससे मंदिर से जुड़ी कुछ और खास बातें।

एक हिंडिंव नाम का राक्षस रहता था और उसकी एक हिंडिंवा भी थी। वहीं जब महाबली भीम एक बार इस जगह पर विश्राम करने आए तो हिंडिंवा उन्हें देखकर मोहित हो गई।

लेकिन तभी हिंडिंव राक्षस और भीम के साथ युद्ध हो गया। जिसमें राक्षस की मौत हो गई। इसके बाद माता खल्लारी का मंदिर बनाया गया। आइए जानते हैं इससे मंदिर से जुड़ी कुछ और खास बातें।

एक हिंडिंव नाम का राक्षस रहता था और उसकी एक हिंडिंवा भी थी। वहीं जब महाबली भीम एक बार इस जगह पर विश्राम करने आए तो हिंडिंवा उन्हें देखकर मोहित हो गई।

लेकिन तभी हिंडिंव राक्षस और भीम के साथ युद्ध हो गया। जिसमें राक्षस की मौत हो गई। इसके बाद माता खल्लारी का मंदिर बनाया गया। आइए जानते हैं इससे मंदिर से जुड़ी कुछ और खास बातें।

एक हिंडिंव नाम का राक्षस रहता था और उसकी एक हिंडिंवा भी थी। वहीं जब महाबली भीम एक बार इस जगह पर विश्राम करने आए तो हिंडिंवा उन्हें देखकर मोहित हो गई।

लेकिन तभी हिंडिंव राक्षस और भीम के साथ युद्ध हो गया। जिसमें राक्षस की मौत हो गई। इसके बाद माता खल्लारी का मंदिर बनाया गया। आइए जानते हैं इससे मंदिर से जुड़ी कुछ और खास बातें।

एक हिंडिंव नाम का राक्षस रहता था और उसकी एक हिंडिंवा भी थी। वहीं जब महाबली भीम एक बार इस जगह पर विश्राम करने आए तो हिंडिंवा उन्हें देखकर मोहित हो गई।

लेकिन तभी हिंडिंव राक्षस और भीम के साथ युद्ध हो गया। जिसमें राक्षस की मौत हो गई। इसके बाद माता खल्लारी का मंदिर बनाया गया। आइए जानते हैं इससे मंदिर से जुड़ी कुछ और खास बातें।

एक हिंडिंव नाम का राक्षस रहता था और उसकी एक हिंडिंवा भी थी। वहीं जब महाबली भीम एक बार इस जगह पर विश्राम करने आए तो हिंडिंवा उन्हें देखकर मोहित हो गई।

लेकिन तभी हिंडिंव राक्षस और भीम के साथ युद्ध हो गया। जिसमें राक्षस की मौत हो गई। इसके बाद माता खल्लारी का मंदिर बनाया गया। आइए जानते हैं इससे मंदिर से जुड़ी कुछ और खास बातें।

एक हिंडिंव नाम का राक्षस रहता था और उसकी एक हिंडिंवा भी थी। वहीं जब महाबली भीम एक बार इस जगह पर विश्राम करने आए तो हिंडिंवा उन्हें देखकर मोहित हो गई।

लेकिन तभी हिंडिंव राक्षस और भीम के साथ युद्ध हो गया। जिसमें राक्षस की मौत हो गई। इसके बाद माता खल्लारी का मंदिर बनाया गया। आइए जानते हैं इससे मंदिर से जुड़ी कुछ और खास बातें।

एक हिंडिंव नाम का राक्षस रहता था और उसकी एक हिंडिंवा भी थी। वहीं जब महाबली भीम एक बार इस जगह पर विश्राम करने आए तो हिंडिंवा उन्हें देखकर मोहित हो गई।

लेकिन तभी हिंडिंव राक्षस और भीम के साथ युद्ध हो गया। जिसमें राक्षस की मौत हो गई। इसके बाद माता खल्लारी का मंदिर बनाया गया। आइए जानते हैं इससे मंदिर से जुड़ी कुछ और खास बातें।

एक हिंडिंव नाम का राक्षस रहता था और उसकी एक हिंडिंवा भी थी। वहीं जब महाबली भीम एक बार इस जगह पर विश्राम करने आए तो हिंडिंवा उन्हें देखकर मोहित हो गई।

लेकिन तभी हिंडिंव राक्षस और भीम के साथ युद्ध हो गया। जिसमें राक्षस की मौत हो गई। इसके बाद माता खल

हार्दिक को टी-20 रैकिंग में फायदा बैटिंग में 7 और ऑलराउंडर रैकिंग में 4 स्थान की छलांग लगाई; टीम इंडिया पहले नंबर पर कायम



नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईसीसी टी-20 इंटरनेशनल रैकिंग में पूर्व भारतीय कप्तान हार्दिक पंडया को फायदा हुआ है। जारी हुई ताजा रैकिंग में उन्होंने बैटिंग में 7 और ऑलराउंडर रैकिंग में 4 स्थान की छलांग लगाई है।

वहीं, बांलादेश के खिलाफ पहले टी-20 मुकाबले में 3 विकेट लेने वाले भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को भी है। भारतीय बल्लेबाज ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी-

आईसीसी टी-20 टीम रैकिंग में टॉप पर कायम है।

सूर्य दूरसे स्थान पर काविज भारतीय कप्तान सूर्यकुमार रैकिंग में दूरसे स्थान पर काविज है। बल्लेबाजों की ताजा टी-20 रैकिंग में तीन भारतीय खिलाड़ी शामिल हैं। बैटिंग रैकिंग में ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज टैमैस हेड इस लिस्ट में टॉप पर है।

भारतीय बल्लेबाज ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी-

ICC टी-20 ऑलराउंडर्स रैकिंग (टॉप-10 खिलाड़ी)				
रैकिंग	ऑलराउंडर्स	देश	रेटिंग पॉइंट्स	
1	लियाम लिविंगस्टन	इंग्लैंड	253	
2	दीपेंद्र सिंह ऐरी	नेपाल	235	
3	हार्दिक पंडया	भारत	216	
4	मार्कस स्टोयनिस	ऑस्ट्रेलिया	11	
5	सिंकंदर रजा	जिबाब्दे	208	
6	वनिंदु हसरंगा	श्रीलंका	206	
7	मोहम्मद नवी	अफगानिस्तान	205	
8	इमाद वसीम	पाकिस्तान	166	
9	एडेन मार्करम	सा. अफ्रीका	166	
10	गेराहार्ड इरास्मस	नामीबिया	164	

20 मैच में महज 14 गेंदों में दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से 29 रनों की दमदार पारी खेली थी। पहले मुकाबला जीतने के बाद भारतीय टीम ने इस सीरीज में 1-0 से बदल हासिल कर ली है। अर्शदीप ने लगाई लंबी छलांग

6 अक्टूबर को ग्वालियर में खेले गए पहले टी-20 मुकाबले में अर्शदीप ने कुल तीन विकेट चटकाए थे। वे बालिंग रैकिंग में आठ स्थानों के फायदे के साथ एनरिक नर्सिया के साथ आठवें पायदान पर पहुंच गए हैं। इसमें पहले वह 16वें स्थान पर थे।

अर्शदीप ने लगाई लंबी छलांग

लक्ष्य आर्कटिक ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में विपक्षी खिलाड़ी के नाम वापस लेने का मिला फायदा



नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लव्य सेन ने आर्कटिक ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट पुष्ट एकल के अंतिम-16 में प्रवेश कर लिया है। उनके प्रतिविनायक रैकिंग में घरेलू दौर से अपना नाम वापस ले लिया जाएगा।

के क्वालिफायर अर्नार्ड मैकेल के बीच होने वाले मैच के बिंजेता से होगा। सेन के अलावा क्वालिफायर किरण जार्ज की टर्कट चौकी ताकै पर के जू वेड वांग इंटरनेशनल जीतने वाली बल्लेबाज ने 21-19, 24-22 से जीत दर्ज की थी।

अस्ताना, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय विमस टीम ने कजाकिस्तान के अस्ताना में एशियन टेबल टेनिस चैंपियनशिप में ऐतिहासिक बॉन्च मेडल जीता। एशियन टेबल टेनिस संघ द्वारा 1972 में दूरमें शुरू करने के बाद से यह भारत के लिए विमेस टीम इवेंट में पहला मेडल है।

भारत सेमीफाइनल में जापान

से 1-3 से हार गया जबकि चौन ने दूरसे सेमीफाइनल में हांगकांग के 3-0 से हार्या। हारने वाले दोनों सेमीफाइनलिस्ट को बॉन्च मेडल मिला।

खराब प्रदर्शन के बाद संजू सैमसन टीम से ड्रॉप

टी20 सीरीज में खामोश रहा बल्ला



नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश के बीच इन दिनों तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली जा रही है। इस सीरीज के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को भी टीम में छोड़ा गया है।

वहीं सीरीज के पहले दो मैचों में संजू को खेलते हुए भी देखा गया था, हालांकि संजू प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा था। दूसरे मैच में जल्दी आउट होने के बाद संजू को शाश्वत मीडिया पर भी ट्रोल किया गया। वहीं अब खराब प्रदर्शन के बाद संजू पर गार्ज गिरा है। रणजी ट्रॉफी के पहले दो मैचों के लिए संजू को टीम से ड्रॉप कर दिया गया है।

अब पहले दो मैचों के लिए केरल टीम का स्क्वाड भी सामने आ चुका है।

जिसमें विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को टीम में नहीं रहना गया है। 11 अक्टूबर को केरल की टीम अपना पहला मैच पंजाब के साथ खेलेगी।

इस मैच में संजू खेलते होने के लिए केरल टीम का कप्तान सचिन बेंवी को चुना गया है। संजू सैमसन जिनकी रेड बॉल

हार नहीं दिखाई देंगे। पहले दो मैचों के लिए केरल टीम का कप्तान सचिन बेंवी को चुना गया है।

संजू सैमसन जिनकी रेड बॉल

ईशान किशन रणजी ट्रॉफी में झारखंड टीम की कप्तानी करेंगे

आखिरी बार 2018-19 में की थी; 2023 दिसंबर से हैं टीम इंडिया से बाहर

मुंबई, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को रणजी ट्रॉफी 2024-2025 सीजन के लिए झारखंड टीम का कप्तान बनाया गया है।

वे पिछला सीजन भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज के बाद भी नहीं खेले थे। उन्होंने आखिरी बार 2018-19 में झारखंड टीम की कप्तानी की थी।

ईशान को हाल ही में खत्म हुई इरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की टीम में जगह दी गई थी।

उन्होंने मुंबई के खिलाफ खेले मैच में 38 रन बनाए थे। हालांकि उन्होंने विकेटकीपिंग नहीं की थी। टीम में शामिल ध्रुव जुले ने विकेटकीपर की भूमिका निभाई थी।

शीराखंड टीम में ईशान के लिए अलावा 2 विकेटकीपर

टीम में शामिल

माना जा रहा है कि ईशान रणजी ट्रॉफी की टीम में जगह बनाने के लिए टीम से बाहर चल रहे खिलाफ खेले थे।

ईशान को हाल ही में खत्म हुई इरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की टीम में जगह दी गई थी।

ईशान को हाल ही में खत्म हुई इरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की टीम में जगह दी गई थी।

ईशान को हाल ही में खत्म हुई इरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की टीम में जगह दी गई थी।

ईशान को हाल ही में खत्म हुई इरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की टीम में जगह दी गई थी।

ईशान को हाल ही में खत्म हुई इरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की टीम में जगह दी गई थी।

ईशान को हाल ही में खत्म हुई इरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की टीम में जगह दी गई थी।

ईशान को हाल ही में खत्म हुई इरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की टीम में जगह दी गई थी।

ईशान को हाल ही में खत्म हुई इरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की टीम में जगह दी गई थी।

ईशान को हाल ही में खत्म हुई इरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की टीम में जगह दी गई थी।

ईशान को हाल ही में खत्म हुई इरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की टीम में जगह दी गई थी।

ईशान को हाल ही में खत्म हुई इरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की टीम में जगह दी गई थी।

ईशान को हाल ही में खत्म हुई इरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की टीम में जगह दी गई थी।

ईशान को हाल ही में खत्म हुई इरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की टीम में जगह दी गई थी।

ईशान को हाल ही में खत्म हुई इरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की टीम में जगह दी गई थी।

ईशान को हाल ही में खत्म हुई इरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की टीम में जगह दी गई थी।

<p

